अपने सर्वश्रेष्ठ चार गेंदबाजों को चुनें- और अगर ये तीन तेज गेंदबाज हैं जो वास्तव में अच्छी रिवर्स स्विंग प्राप्त कर सकते हैं और नाथन लियोन, जो स्पष्ट रूप से हमारे पास अब तक के सर्वश्रेष्ठ ऑफ स्पिनर हैं तो ये अपनी भूमिका निभा सकते हैं। **-एडम गिलक्रिस्ट**

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर, ऑस्ट्रेलिया के भारत दौरे को लेकर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

अमित रोहिदास

अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ सुरक्षा मुद्दों के मद्देनजर पेनल्टी कॉर्नर ड्रैग-फ्लिक में नियमों में बदलाव पर विचार कर सकता है, लेकिन भारतीय खिलाड़ी इस दौरान भारतीय टीम में ज्यादातर मौके पर सबसे पहले दौड़ शुरू करने वाले अमित रोहिदास इससे जुड़े जोखिम को लेकर चिंतित नहीं हैं। इस 29 साल के डिफेंडर ने 'कहा, " मैं भारतीय टीम में सबसे पहले दौड़ने वालों में से एक रहा हूं। टीम जो भी और जब भी चाहे, मैं पहला तेज रनर हो सकता हूं। मुझे कोई समस्या नहीं है।"

क्या आप जानते हैं ?... प्रथम श्रेणी क्रिकेट में सर्वाधिक व्यक्तिगत स्कोर का विश्व रिकॉर्ड ब्रायन लारा के नामहै। लारा ने 1994 में वारविकशायर की तरफ से डरबन के खिलाफ 501 रन की नाबाद पारी खेली।

41 बार का रणजी चैम्पियन मुंबई बाहर

रवीन्द्र जडेजा की टीम सौराष्ट्र को तमिलनाडु ने हराया, क्वार्टर फाइनल की 8 टीमें तय

नई दिल्ली 28 जनवरी। रणजी ट्रॉफी इतिहास की सबसे सफल टीम 41 बार की चैंपियन मुंबई इस सीजन के नॉकआउट स्टेज में प्रवेश नहीं कर सकी। ग्रुप स्टेज के आखिरी दिन को टीम ने महाराष्ट्र के खिलाफ जीत जरूरी थी। लेकिन, शुक्रवार को टीम 253 रन के टारगेट का पीछा करते हुए 6 विकेट पर 195 रन ही बना सकी। मैच ड्रॉ रहा और एलीट ग्रुप बी से सौराष्ट्र के साथ आंध्र प्रदेश की टीम क्वालिफाई कर गई।

टाई ने बढ़ाई मुसीबत

दरअसल, महाराष्ट्र और मुंबई के बीच ग्रुप स्टेज का आखिरी मैच खेला गया। जो भी टीम मैच जीतती या फर्स्ट इनिंग लीड लेती, वह क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालिफाई कर जाती। लेकिन पहली पारी में दोनों ही टीमें 384 रन बनाकर ऑल आउट हो गईं। पहली पारी में टाई होने के बाद दोनों ही टीमों का मैच जीतना जरूरी था। महाराष्ट्र चौथे और आखिरी दिन दूसरी पारी में 252 पर ऑल आउट हो गई।

28 ओवर में 253 रन के टारगेट का पीछा करते हुए मुंबई ने 10 ओवर में तेजी से करीब 90 रन बना लिए थे। लेकिन, लगातार अंतराल में विकेट गिरने के चलते मुंबई ने डिफेंसिव गेम खेलना शुरू कर दिया। इस कारण टीम 28 ओवर में 6 विकेट पर 195 रन ही बना सकी। मैच ड्रॉ रहा और आंध्र प्रदेश की टीम क्वालिफाई कर गई।

आखिरी मैच हारा सौराष्ट्र

इसी ग्रुप के एक मैच में क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालिफाई कर चुकी सौराष्ट्र को तमिलनाडु ने 59 रनों से हरा दिया। अंतिम दिन सौराष्ट्र को जीत के लिए 266 रनों की जरूरत थी, लेकिन टीम 206 रन पर ही ढेर हो गई। सौराष्ट्र की दूसरी पारी में हार्विक देसाई ने सबसे ज्यादा 101 रन बनाए। अजीत ने दूसरी पारी में 6 विकेट अपने नाम किए। पहली पारी में उन्होंने 3 विकेट लिए थे। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

31 जनवरी को होंगे क्वार्टर फाइनल

क्वार्टर फाइनल की 8 टीमें तय हो चुकी हैं। कोलकाता के ईडन गार्डन मैदान पर बंगाल झारखंड के बीच पहला, राजकोट में सौराष्ट्र और पंजाब के बीच दूसरा, बेंगलुरु में कर्नाटक और उत्तराखंड के बीच तीसरा और इंदौर में मध्य प्रदेश और आंध्र प्रदेश के बीच चौथा क्वार्टर फाइनल मुकाबला खेला जाएगा।

पांच दिन के होंगे क्वार्टरफाइनल मुकाबले

रणजी के नॉकआउट मुकाबले 5 दिन के होते हैं, ऐसे में टीमों को नतीजे निकालने के लिए एक दिन का एक्स्ट्रा टाइम मिलेगा। वहीं, अगर मैच क्वार्टर फाइनल मुकाबले ड्रॉ रहे तो फर्स्ट इनिंग में लीड लेने वाली टीम को जीत मिलेगी।

क्रिकेट के बीजी शेड्यूल पर बोले डिविलयर्स

अब खिलाड़ियों के लिए तीनों फॉर्मेट खेलना नामुमकिन

नई दिल्ली, 28 जनवरी। महिला टी-20 वर्ल्ड कप 10 फरवरी से होगा। आईसीसी ने बताया कि इस टूर्नामेंट में सारी मैच ऑफिशियल्स महिलाएं होंगी। आईसीसी की 13 सदस्यों की सूची में भारत से जीएस लक्ष्मी, वृंदा राठी और एन. जननी ऑफिशियल्स के तौर पर शामिल होंगी। लक्ष्मी रेफरी हैं जबकि वृंदा और जननी अंपायर के तौर पर शामिल हैं। ये पहली बार है, जब पूरी महिला ऑफिशियल्स की टीम किसी आईसीसी टूर्नामेंट में काम करेगी। आईसीसी ने बताया कि वे क्रिकेट में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाना चाहते हैं। जीएस लक्ष्मी महिला टी20 वर्ल्ड कप में ऑफिशियल रेफरी के रूप में जाने वाली 3 सदस्यीय टीम का हिस्सा है। वे आईसीसी रेफरी पैनल में शामिल होने वाली पहली महिला भी हैं। साथ ही, पुरुष वनडे मुकाबले में रेफरी की भूमिका निभाने वाली पहली महिला भी थीं। इन्होंने ये मुकाम साल 2020 में हासिल किया था।

54 वर्षीय लक्ष्मी खुद ऑलराउंडर रह चुकी हैं। अपने 18 साल के करियर के दौरान उन्होंने साउथ सेंट्रल रेलवे, आंध्रप्रदेश, बिहार, ईस्ट जोन और साउथ जोन की टीम के लिए खेला है। 1999 में लक्ष्मी को भारतीय टीम में भी चुना गया, लेकिन वे प्लेइंग-11 में जगह नहीं बना पाई। इसके बाद 2004 में उन्होंने संन्यास लिया। एक रेफरी के तौर पर उन्होंने 2008 में एक घरेलू मैच में दूसरी पारी का आगाज किया था।

दिसंबर 2022 में वृंदा और जननी रणजी में अंपायरिंग करने वाली पहली महिला जोड़ी बनी थी। दोनों को 2018 में आईसीसी अंपायरों के विकास पैनल में भी शामिल किया गया था। वृंदा ने अपने अंपायरिंग करियर की शुरुआत मुंबई के मैदानों से की। वे 2013 के महिला वर्ल्ड कप में ऑफिशियल स्कोरर भी रह चुकी हैं। दूसरी ओर, जननी ने अंपायरिंग करियर 2021 में तमिलनाडु प्रीमियर लीग से किया। वे सॉफ्टवेयर इंजीनियर थी। अंपायर बनने की चाह में जननी ने अपनी नौकरी से इस्तीफा दे दिया था।

पांच दिवसीय हो रणजी के ग्रुप मुकाबले : ऑजिक्य रहाणे

मुंबई, 28 जनवरी। मुंबई रणजी टीम के कप्तान और भारतीय टेस्ट टीम के पूर्व उपकप्तान आंजिक्य रहाणे ने रणजी ट्रॉफी के ग्रुप चरण मुकाबलों को पांच दिन का करने की वकालत की है।

वर्तमान में रणजी ट्रॉफी के क्वार्टर फाइनल और उसके बाद के चरण के मुकाबले पांच दिन के होते हैं जबकि ग्रुप चरण के मुकाबले चार दिवसीय होते हैं। रणजी के मौजूदा सत्र में महाराष्ट्र के खिलाफ ड्रॉ खेलकर मुंबई टूर्नामेंट से बाहर हो गयी।

रहाणे की टीम को क्वार्टरफाइनल में पहुंचने के लिये महाराष्ट्र पर जीत या पहली पारी में बढ़त की जरूरत थी। पहली पारी में स्कोर बराबर रहने के बाद मुंबई ने महाराष्ट्र को चौथे दिन ऑलआउट किया और उसे 28 ओवरों में 253 रन की जरूरत थी। अथक प्रयासों के बावजूद मुंबई 58 रन से पीछे रह गयी और 41 बार की विजेता का रणजी अभियान ग्रुप स्टेज में ही समाप्त हो गया।

रहाणे ने चार-दिवसीय प्रारूप पर खिन्नता व्यक्त करते हुए कहा, प्रथम श्रेणी क्रिकेट पांच दिवसीय होना चाहिये। हम पांच दिनों तक टेस्ट मैच खेलते हैं। पांच दिनों में परिणाम की संभावना लगभग तय है और आपको अधिक परिणाम मिलेंगे। चार दिवसीय मैचों में आपको वास्तव में परिणाम नहीं मिलते हैं।

निशंक ने किया सांसद खेल महोत्सव का उद्घाटन

हरिद्वार, 28 जनवरी। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक' ने शनिवार को गुरूकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय के दयानन्द स्टेडियम में एंजेल्स अकादमी सीनियर सेकेण्ड्री स्कूल द्वारा आयोजित दो दिवसीय 'सांसद खेल महोत्सव' (कबड्डी, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, खो-खो, बैडमिंटन) का उद्घाटन दीप प्रज्ज्वलित, ध्वजारोहण एवं आकाश की ओर रंग-बिरंगे गुब्बारे छोड़कर मंत्रोच्चारण के बीच किया। हरिद्वार के सांसद डॉ. पोखरियाल ने इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये कहा कि आज पूरे देशभर में सांसद खेल महोत्सव का आयोजन एक साथ किया जा रहा है।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का जिक्र करते हुये कहा कि उनके कुशल नेतृत्व में पूरा देश हर क्षेत्र में विकास कर रहा है। खेलों के क्षेत्र में भी देश के साथ ही हमारे प्रदेश के उदीयमान खिलाड़ी देश व प्रदेश का नाम ऊंचा कर रहे हैं तथा चारों तरफ खेलों का माहौल है। उन्होंने कहा कि सांसद खेल महोत्सव में भी पूरे जिले के खिलाड़ी दोड़ेंगे, खेलेंगे तथा नये कीर्तिमान स्थापित करेंगे। निशंक ने कहा कि हमारी सरकार खेलों के विकास के लिये निरन्तर प्रयासरत है तथा खिलाड़ियों को हर क्षेत्र में अवसर प्रदान करने के लिये चार प्रतिशत आरक्षण पर विचार कर रही है। इसके अलावा शीर्षस्थ संस्थान भी अपने संस्थानों में खिलाड़ियों को रोजगार के अवसर प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों के लिये अब अवसरों की कमी नहीं है।

'करो या मरो' मुकाबले में जीत के इरादे से उतरेगा भारत

लखनऊ, 28 जनवरी। न्यूजीलैंड के खिलाफ पहला टी-20 मुकाबला हारने के बाद हार्दिक पांड्या की अगुवाई वाली भारत की युवा क्रिकेट टीम रविवार को इकाना के मैदान पर शृंखला में वापसी के इरादे से उतरेगी। तीन मैचों की सीरीज का पहला मैच हारने के बाद वैसे भी भारतीय टीम के लिये कल होने वाला मुकाबला 'करो या मरो' वाला होगा। मैच को अपने पक्ष में करने के लिये युवा खिलाड़ियों से लबरेज भारतीय टीम को जोश के साथ पिछली गलतियों को दोहराने से बचना होगा, वहीं कप्तान हार्दिक पांड्या भी प्रयोगों के अत्यधिक इस्तेमाल से परहेज करेंगे। रांची के मुकाबले में सात गेंदबाजों का इस्तेमाल करने के बावजूद उम्मीद से अधिक रन खर्च किये गये, वहीं बल्लेबाजी में टॉप आर्डर की विफलता ने टीम को और मुश्किल में डाल दिया। नतीजन भारत को घरेलू मैदान में हार के लिये विवश होना पड़ा। टी-20 विश्वकप में शानदार यॉर्कर की बदौलत बल्लेबाजों को मुश्किल में डालने वाले अर्शदीप का प्रदर्शन अपनी सरजमीं पर अब तक अपेक्षा के अनुरूप नहीं रहा है। कल के मैच में मौका मिलने पर उन्हें वाइड गेंदों पर अंकुश लगाना होगा वहीं तूफानी गेंदबाज उमरान मलिक और शिवम मावी को लाइन-लेंथ को काबू में रखते हुए कीवी बल्लेबाजों के लिये मुश्किलें पैदा करनी होंगी। रांची में स्पिनरों के लिये मददगार रही पिच पर वाशिंगटन सुंदर और कुलदीप यादव का प्रदर्शन उम्दा रहा था।

आयरलैंड के फाइटर मैकग्रेगर कार हादसे में जख्मी

डबलिन, 28 जनवरी। अल्टिमेट फाइटिंग चैंपियनशिप (यूएफसी) के स्टार फाइटर कॉनर मैकग्रेगर अपने देश आयरलैंड में सड़क दुर्घटना का शिकार हुए, हालांकि उन्हें ज्यादा चोट नहीं आई है। मैकग्रेगर ने शुक्रवार को यह जानकारी खुद इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट कर साझा की। वीडियो में उन्हें यह कहते हुए सुना गया, मैं वहां मर सकता था जबकि कार का ड्राइवर माफी मांग रहा था। हालांकि बाद में उन्होने यह वीडियो डिलीट कर दिया। मैकग्रेगर ने इंस्टाग्राम पर लिखा, पीछे से अभी-अभी एक कार ने टक्कर मारी। सूरज की तेज रोशनी कार चालक की आंखों में पड़ रही थी जिस कारण वह मुझे नहीं देख सका और पूरी रफ्तार के साथ मुझसे टकरा गया। ईश्वर का शुक्र है, सतर्क रहने के कारण मेरी जान बच गयी। मैकग्रेगर पिछले कुछ महीनों से चर्चा में रहे हैं। पिछले साल जुलाई में एक महिला ने उन पर जानलेवा हमले का आरोप लगाया था। हालांकि मैकग्रेगोर आरोप से इंकार करते रहे हैं।

बीसीसीआई ने वुमेंस प्रीमियर लीग के मुख्य प्रायोजन के लिये बोलियां आमंत्रित की

मुंबई, 28 जनवरी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने वुमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के अगले चार सत्रों के प्रायोजन के लिये बोलियां आमंत्रित की हैं। बोर्ड ने शनिवार को जारी विज्ञप्ति में कहा, बीसीसीआई वुमेंस प्रीमियर लीग के 2023-2027 सत्रों के मुख्य प्रायोजन के लिये सम्मानित कंपनियों से बोलियां आमंत्रित करता है। बीसीसीआई ने विज्ञप्ति में कहा कि इस बोली लगाने की इच्छुक कंपनियों को एक लाख रुपये की राशि अदा करनी होगी, जिसके बाद उन्हें एक नीलामी दस्तावेज (आरएफपी) उपलब्ध करवाया जायेगा। इस दस्तावेज़ में नीलामी के लिये पात्र होने की आवश्यकताएं, बोलियां प्रस्तुत करने की प्रक्रिया, शीर्षक प्रायोजक के अधिकार,दायित्व आदि जानकारियां उपलब्ध होंगी। बोली प्रस्तुत करने की इच्छुक किसी भी पार्टी के लिये आरएफपी खरीदना आवश्यक है। इसके बाद जो पार्टियां आरएफपी में निर्धारित मानदंड को पूरा करेंगी, वही बोली लगाने की हकदार होंगी। बोर्ड ने यह स्पष्ट किया कि केवल आरएफपी खरीदने से कोई पार्टी बोली लगाने का हकदार नहीं हो जायेगी। उल्लेखनीय है कि बीसीसीआई ने हाल ही में डब्ल्यूपीएल की पांच टीमों के मालिकाना अधिकार बेचे हैं, जिससे उसे करीब 4700 करोड़ का लाभ हुआ है। डब्ल्यूपीएल के पहले सत्र का आयोजन चार मार्च से किया जा सकता है।

खेला इंडिया यूथ गेम्स में हिस्सा लेंगे 'टॉप्स' एथलीट

नयी दिल्ली, 28 जनवरी। मध्य प्रदेश में 30 जनवरी से शुरू हो रहे खेलो इंडिया यूथ गेम्स में भारत सरकार की 'टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना' (टॉप्स) के 15 एथलीट मैदान पर उतर कर नवोदित एथलीटों को प्रोत्साहित करेंगे। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ने शनिवार को एक विज्ञप्त जारी कर बताया कि टॉप्स के तहत पहले से ही अंतरराष्ट्रीय उपलब्धि हासिल कर चुके एथलीट यहां जमीनी स्तर के एथलीटों को आगे बढ़ ने के लिये प्रेरित करेंगे। इन खिलाड़ियों में महाराष्ट्र के विशाल चांगमई, मंजिरी अलोन, अपेक्षा फर्नांडीस, आकांक्षा व्यवहारे, हरियाणा की रिद्धि, उन्नित हुड्डा, शिव नरवाल, तेजस्वनी, निश्चल, दिल्ली की पायस जैन और कर्नाटक की रिधिमा वीरेंद्र कुमार एवं यशस्विनी घोरपड़े सहित अन्य एथलीटों के नाम शामिल हैं। इन खेलों के इतिहास में पहली बार वाटर स्पोर्ट्स को शामिल किया जा रहा है। इसके अलावा कैनो स्लैलम, कयाकिंग, कैनोइंग और रोइंग जैसे पानी के खेल भी साथ होंगे।

सानिया मिर्जा : छह ग्रैंड स्लैम, 205 करोड़ नेटवर्थ : चार क्रिकेट कप्तानों की रिश्तेदार, दुबई में घर, महंगी कारों का कलेक्शन भी

नई दिल्ली, 28 जनवरी। भारत की टेनिस क्वीन सानिया मिर्जा ऑस्ट्रेलियन ओपन 2023 में मिक्स्ड डबल्स का फाइनल हार गईं। टेनिस करियर में यह उनका आखिरी ग्रैंड स्लैम मैच था। मुकाबले के बाद फेयरवेल स्पीच में उनके आंसू छलक पड़े। उन्होंने कहा, ग्रैंड स्लैम करियर खत्म करने के लिए मेलबर्न से बेहतर कुछ नहीं। मुझे कोर्ट पर घर जैसा अहसास कराने के लिए सभी का धन्यवाद।

ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में सानिया का सफर थम गया है। कुछ दिनों बाद वे अपना आखिरी प्रोफेशनल मैच भी खेलेंगी। यह मुकाबला कब और कहां होगा इसके बारे में आगे जानेंगे। इसके अलावा इस स्टोरी में सानिया की उपलब्धियां, लग्जीरियस लाइफस्टाइल, नेटवर्थ और कार कलेक्शन का जिक्र भी होगा। साथ ही उनसे कुछ विवादों को भी जानेंगे। 36 साल की सानिया मिर्जा ने 2003 में प्रोफेशनल टेनिस करियर की शुरुआत की। 27 जनवरी 2023 को करियर का आखिरी ग्रैंड स्लैम खेला। सानिया ने एक इंटरव्यू में बताया था कि 19 फरवरी से शुरू होने वाला 1000 इवेंट उनके प्रोफेशनल टेनिस करियर का आखिरी टूर्नामेंट होगा। इसके बाद वह संन्यास ले लेंगी।

सानिया ने सबसे पहले 6 साल की उम्र में टेनिस खेलने की इच्छा जताई थी तब उनकी मां उन्हें हैदराबाद की एक टेनिस एकेडमी में एडमिशन कराने ले गईं। वहां के कोच ने उन्हें एडमिशन देने से मना कर दिया। कोच बोले, इसका साइज तो टेनिस रैकेट से भी छोटा है। ये क्या टेनिस खेलेगी। मां के अधिक अनुरोध करने पर उन्होंने सानिया को दाखिला दे दिया। कुछ ही दिनों में वही कोच सानिया के घर गए और उनकी मां को कहा इतनी कम उम्र में किसी को इतना अच्छा खेलते हुए नहीं देखा।

15 नवंबर 1986 को मुंबई में सानिया का जन्म हुआ। जन्म के कुछ सालों बाद ही उनका परिवार हैदराबाद शिफ्ट हो गया। वहां वह अपनी छोटी बहन अनम के साथ बड़ी हुईं। यहीं उन्होंने टेनिस खेलना सीखा और अपनी स्किल्स इम्प्रूव कीं। हैदराबाद के नासर स्कूल में स्कूली शिक्षा के बाद सेंट मैरी कॉलेज से उन्होंने ग्रेजुएशन किया।

सानिया मिर्जा के परिवार का खेल से पुराना नाता रहा। उनके पिता इमरान मिर्जा खेल पत्रकार थे। सानिया के मेंटर होने के साथ वह करीब 20 साल तक उनके कोच भी रहे। बहन अनम पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद अजहरुद्दीन की बहू हैं। उन्होंने दिसंबर 2019 में मोहम्मद असदुद्दीन से शादी की थी।

सानिया की दादी भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान गुलाम अहमद की मौसी थीं। गुलाम की बहन के बेटे आसिफ इकबाल भी एक समय पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान रहे थे। सानिया ने पाकिस्तानी टीम के एक अन्य कप्तान शोएब मलिक से शादी की। इस तरह सानिया कुल चार इंटरनेशनल क्रिकेट कप्तानों की रिश्तेदार हैं।

दुबई के पाम जुमेराह स्थित द आइलैंड बंगलों में सानिया मिर्जा अपने पति शोएब मलिक और बेटे इजहान के साथ रहती हैं। पाम जुमेराह में उद्योगपति मुकेश अंबानी, क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर और बॉलीवुड स्टार शाहरुख खान जैसी हस्तियों के भी बंगले हैं। हैदराबाद की फिल्म सिटी में भी सानिया का आलीशान घर है।

सानिया मिर्जा ने टेनिस करियर के दौरान करीब 58.65 करोड़ रुपए प्राइज मनी से कमाए। प्राइज मनी यानी किसी टेनिस टूर्नामेंट में जीती इनामी राशि। कई बड़ी कंपनियों ने भी उन्हें अपना ब्रांड एम्बेसडर बनाया। ओवरऑल उनकी नेटवर्थ करीब 205 करोड़ रुपए है।

विश्व कप में नौंवे स्थान पर रहा भारत

राउरकेला, 28 जनवरी। मेजबान देश भारत ने शनिवार को एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप 2023 के क्लासिफिकेशन मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को 5-2 से हराकर टूर्नामेंट में नौंवा स्थान हासिल कर लिया। बिरसा मुंडा अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम को जगमग करते हुए अभिषेक (चौथे मिनट), हरमनप्रीत सिंह (11वें मिनट), शमशेर सिंह (44वें मिनट), आकाशदीप सिंह (48वें मिनट) और सुखजीत सिंह (58वें मिनट) ने मेजबान टीम के गोल किये। दक्षिण अफ्रीका के गोल सैमकेलो विम्बी (48वां) और मुस्तफा कासिम (60वां मिनट) ने किये।

भारत इस जीत के साथ घरेलू सरजमीन पर हुए टूर्नामेंट में अर्जेंटीना के साथ नौंवे स्थान पर रहा। दक्षिण अफ्रीका ने वेल्स के साथ 11वां स्थान साझा किया। नौवां स्थान हासिल करने की होड़ में भारत ने पहले मिनट से ही दक्षिण अफ्रीकी अर्द्ध में जगह बनाना शुरू कर दी।

उन्हें इसका फल चौथे मिनट में तब मिला जब अभिषेक ने दक्षिण अफ्रीकी अर्द्ध में गेंद को पाकर उसे नेट में दाग दिया। इस क्वार्टर में भारत विपक्षी टीम के लिये बहुत तेज साबित हुआ और उसने कई प्रयासों के बीच 11वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर अर्जित कर लिया। हरमनप्रीत ने इस कॉर्नर को गोल में तब्दील करते हुए भारत की बढ़त दोगुनी कर दी।

वॉलीबॉल कैप्टन ने अफसर संग लिए फेरे

पानीपत की निर्मल से दीपक ने 1 रुपये में रचाई शादी, 3 साल से भेज रहे थे रिश्ता

नई दिल्ली, 28 जनवरी। हरियाणा के पानीपत की रहने वाली भारतीय वॉलीबॉल टीम की कप्तान निर्मल तंवर रेलवे अफसर दीपक भाटी के साथ परिणय सूत्र में बंध गई हैं। ये शादी शुक्रवार को बिना दहेज के हुई। सिर्फ एक रुपए और एक जोड़े में निर्मल को दीपक ब्याहकर ले गए।

निर्मल इस समय पुणे में रेलवे में नौकरी कर रही है तो वहीं दीपक भाटी भी मुंबई में रेलवे में अफसर के पद पर तैनात हैं। निर्मल 2019 में भारतीय टीम की कप्तान बनी थी। उनकी कप्तानी में इंडियन टीम ने काठमांडू (नेपाल) में हुई साउथ एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल जीता था। इस जीत में खास बात यह रही कि भारतीय कप्तान निर्मल को डेंगू हो गया था।

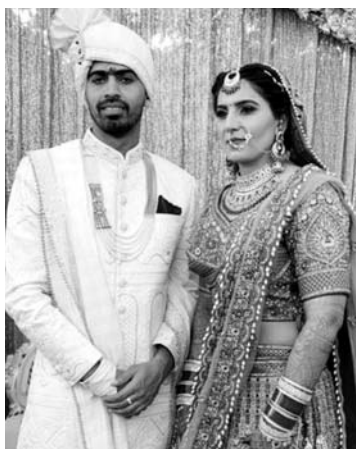

फाइनल में जब टीम हारने लगी तो आखिरी राउंड में निर्मल खुद मैदान में आ गई। इसके बाद ही ऑफिसर दीपक भाटी ने उनके मैच के वीडियो यूट्यूब पर देखे थे। तभी से दीपक ने निर्मल से शादी करने का मन बना लिया था। तभी से ही निर्मल के घर रिश्ता भेजना शुरू कर दिया था। पिछले तीन साल से निर्मल से शादी के लिए रिश्ता भेज रहे थे। 2022 में निर्मल के घरवालों ने रिश्ता लिया और शादी की तारीख तय की।

राष्ट्रीय किसान यूनियन प्रधान मेनपाल चौहान, हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के चेयरमैन भोपाल सिंह, सांसद संजय भाटिया, विधायक बलबीर सिंह, पूर्व मंत्री बच्चन सिंह, ओम प्रकाश, अर्जुन अवार्डी दलोल सिंह, अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी सूबे सिंह गुर्जर, भीम सिंह चोपड़ा, पूर्व सुमेधा कटारिया, एशियन बॉक्सर अंकित, पूर्व विधायक भरत सिंह, साध्वी देवा ठाकुर, बीजेपी नेता धारा सिंह रावल, कांग्रेस नेता अमर सिंह, वॉलीबॉल कोच वैशाली, पूर्व सिंह ने शादी समरोह में शिरकत कर दोनों को शुभाकामनाएं दी।

पिता का सपना पूरा करने के लिए निर्मल ने खेलना शुरू किया था। निर्मल के पिता चाहते थे कि उनके बच्चे खेल में अच्छा प्रदर्शन करें। पांच सितंबर 1996 को पानीपत के आसन कलां गांव में जन्मी निर्मल तंवर ने नौ वर्ष की आयु में ही वॉलीबॉल खेलना शुरू कर दिया था। उनके पिता मदनलाल का 17 मई 2021 को हार्ट अटैक से निधन हो गया था।

जीत के बगैर खत्म हुआ चिली का विश्व कप सफर, फ्रांस को 13वां स्थान

राउरकेला, 28 जनवरी। हॉकी विश्वकप 2023 में शनिवार को क्लासिफिकेशन मुकाबले में फ्रांस से मिली हार के साथ टूर्नामेंट में पहली बार हिस्सा ले रहे चिली का सफर एक अदद जीत की हसरत पूरा किये बगैर खत्म हो गया। बिरसा मुंडा अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम पर फ्रांस ने मौजूदा विश्वकप में चिली को 4-2 से हरा कर दूसरी बार जीत का स्वाद चखा और टूर्नामेंट में 13वां स्थान हासिल किया। कर्टी एलियट ने मैच के पहले क्वार्टर में चिली की रक्षा पंक्ति को झकाते हुये शानदार फील्ड गोल किया जबकि मैच के 17वें मिनट में शार्लेट विक्टर ने सिलसिलेवार दो पेनाल्टी कार्नरों को गोल में तब्दील करते हुए फ्रांस को 3-0 से आगे कर दिया। फ्रांस के एक के बाद एक हमलों से विचलित हुए बिना चिली ने जवाबी प्रहार किया और 20वें मिनट में पहला पेनल्टी कार्नर अर्जित किया। बेसेरा फ्रेंको ने फ्रांसिसी गोलकीपर को चकमा देते हुए अपनी टीम के लिये पहला गोल दागा। बाद के बीस मिनट दोनों टीमों ने एक दूसरे पर जबरदस्त हमले किये मगर नतीजा सिफर रहा। मैच के 42वें मिनट पर जेवियर गैस्पर्ड ने शानदार मूव बनाते हुए चिली के गोल में एक बार फिर गेंद डाल दी और स्कोरबोर्ड पर फ्रांस के पक्ष में 4-1 अंकित करा दिया। चिली के पिजारो एंड्रेस ने हालांकि एक फील्ड गोल दाग कर जीत हार के अंतर को कम किया मगर टीम हार के संकट से ऊबर नहीं सकी।